IIAG ज्योतिष संस्थान®

हर घर में होगा ज्योतिष व वास्तु का ज्ञान।
विश्वसनीयता का दूसरा नाम IIAG ज्योतिष संस्थान।।
(AN INFINITE WORLD OF ASTROLOGY AND VASTU)

ज्योतिष एवं वास्तु पाठ्यक्रम

Dr. Yagya Dutt Sharma
MCA, Ph.D.
वैज्ञानिक ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
Scientific Astro & Vastu Consultant

IIAG ज्योतिष संस्थान

हर घर में होगा ज्योतिष व वास्तु का ज्ञान।
विश्वसनीयता का दूसरा नाम IIAG ज्योतिष संस्थान।।

IIAG ज्योतिष प्रशिक्षण संस्थान भारत के फरीदाबाद में स्थित ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में दृढ़ विश्वास रखने वाले लोगों के लिए सर्वोत्तम ज्योतिष और वास्तु प्रशिक्षण सेवाएं प्रदान करने में लगा हुआ है। हमारा संस्थान एक ऐसा स्थान है जहां कोई भी ज्योतिष, कुंडली बनाने, मिलान बनाने, आदि व वास्तु शास्त्र, 8 दिशा, 16 जोन, 32 गेट और 45 देवता में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण और उन्हें कैसे संतुलित किया जाए, जैसे पाठ्यक्रमों का लाभ उठा सकता है।

हमारा संस्थान शिक्षार्थियों के लिए ये सभी ज्योतिष और वास्तु पाठ्यक्रम किफायती शुल्क पर प्रदान करता है। हमने हर कोर्स के लिए कुशल और अनुभवी ज्योतिष व वास्तु पेशेवरों को नियुक्त किया है। वे ज्योतिष और वास्तु शास्त्र की हर अवधारणा का पता लगाने के लिए छात्रों और शिक्षार्थियों को उचित प्रशिक्षण और सहायता देते हैं। हमारे विशेषज्ञ एस्ट्रो और वास्तु विज्ञान के माध्यम से शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत, व्यावसायिक, शारीरिक, धन, प्रेम, विवाह और किसी व्यक्ति के जीवन के अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रशिक्षित करते हैं।

हम उन लोगों के लिए सर्वश्रेष्ठ वास्तु विशेषज्ञ प्रशिक्षण और सलाहकार सेवाएं प्रदान करते हैं जो वास्तु शास्त्र सीखना चाहते हैं, एक ऐसा विज्ञान जिसे हिंदू पौराणिक कथाओं में "निर्माण का विज्ञान" कहा जाता है। मूल रूप से, वास्तु पृथ्वी, जल, वायु, अंतरिक्ष और अग्नि जैसे पांच तत्वों पर आधारित हैं।

इसके अलावा, हम वास्तु आवासीय, वास्तु वाणिज्यिक, वास्तु उपचार, स्कूल के लिए वास्तु, मॉल, दुकानों और कई अन्य बेहतरीन वास्तु सेवाएं भी प्रदान करते हैं। हमारे सभी पाठ्यक्रम और सेवाएं ज्योतिष और वास्तु विज्ञान के वास्तविक तथ्यों पर आधारित्त हैं। संस्थान का मुख्य उद्देश्य ज्योतिष और वास्तु के क्षेत्र में फैली भ्रांतियों को दूर करना है। ज्योतिष व वास्तु के सभी पहलुओं पर अधिकार प्राप्त करने के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने या इस क्षेत्र में एक पेशेवर के रूप में काम करने में सक्षम होंगे।

संस्थान द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन कोर्स के लिए एडवांस वीडियो तैयार किए गए हैं। संस्थान में प्रवेश लेने वाले छात्र और शोधकर्ता को ये वीडियो कक्षाओं की शुरुआत में ही उपलब्ध कराए जाते हैं। ये सभी वीडियो कोर्स बुक के सब्जेक्ट के हिसाब से बनाए गए हैं। इसे देखने से आप ज्योतिष और वास्तु के क्षेत्र में अपना लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः।।

मैं अपने परम पूज्यनीय गुरु जी को सादर नमन करता हूँ।
इंजीनियर श्री रवीन्द्र नाथ चतुर्वेदी जी

मुझे गुरु जी द्वारा जो ज्योतिष, आध्यात्म व योग का ज्ञान मिला, जिसे प्राप्त करने के बाद मैं जीवन व ज्योतिष की बारिकियों को समझ पाया जिसके लिए मैं दिल से आभार प्रकट करता हूँ।

हमारी सबसे बड़ी सामर्थ्य और शक्ति हैं हमारे पूज्य दादा जी 'इंजीनियर श्री रवींद्र नाथ चतुर्वेदी जी', जिन्होनें उत्तर भारत में सबसे पहले कृष्णामूर्ति पद्धति ज्योतिष पर आधारित 'नक्षत्रीय ज्योतिष अनुसंधान केंद्र' वर्ष 1965 में स्थापित किया।

साठ के दशक में उन्होंने गुरुजी श्री के.एस.के जी व उनकी पद्धति के बारें में सुना और पढ़ा तो यह उनके अनुयायी हो गए। दादा जी सिंचाई विभाग में इंजीनियर रहे और पिछले कई सालों में हजारों महिलाओं, वैज्ञानिकों, वकीलों, अशिक्षितों, अधिकारियों, धार्मिक गुरुओं आदि को के.पी. (कृष्णामूर्ति पद्धति) पद्धति सिखा चुके है।

मैं डॉ0 यज्ञदत्त शर्मा, दादा जी द्वारा जो ज्ञान मुझे मिला, उसके बाद मेरा जीवन ही बदल गया, तथा मेरे जीवन का एक मात्र लक्ष्य ज्योतिष विज्ञान बन गया।

मैंने अपने द्वारा शोध व अध्ययन मे यह पाया है कि ज्योतिष विज्ञान को अगर सही तरीके से समझा जाये तो व्यक्ति अपने जीवन का सही आंकलन व मार्गदर्शन कर सकता है।

ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है कि जो ज्ञान मुझे मेरे गुरुजी द्वारा मिला है, मैं उसे आगे इस समाज को दें सकूँ।

धन्यवाद!

हमारा लक्ष्य और उद्देश्य

आज के प्रतिस्पर्धा के युग में प्रगति की धारा से जुड़ने के लिए ज्योतिष एक उत्तम साधन है। मानव जाति यदि इसका शास्त्रीय और वैज्ञानिक ढंग से सदुपयोग करे तो आगामी अनिष्ट और बाधाओं की निवृत्ति और अपनी ऊर्जा को ज्योतिष के माध्यम से दिशा देकर अपने लक्ष्य को समयानुसार हासिल कर सकता है।

IIAG ज्योतिष संस्थान भारतीय ज्योतिष और कृष्णामूर्ति पद्धति के माध्यम से जातक के जन्म समय को शोध कर दिशा देने और सुधारने में काम कर रहा है।

संस्थान का मूल उद्देश्य है कि:

ज्योतिष के क्षेत्र में जो सन्देह और अंधविश्वास जन–साधारण में पैदा हो गया है। उसकी निवृति और संस्थान के माध्यम से गुरु परम्परागत शिक्षा देकर विधिवत ढंग से समाज के लिए ज्योतिष मनीषी तैयार करना जो समाज को अपनी ऊर्जा से ऊर्जावान और साम्र्थ्यवान बना पाए।

ज्योतिष की उच्चतम शिक्षा प्रदान करना तथा मानव कल्याण के लिए ज्योतिष अध्ययन को बढ़ावा देना।

ज्योतिष विज्ञान को कम्प्यूटर सॉटवेयर के माध्यम से उच्च स्तर प्रदान करना।

हमारे संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है कि व्यक्ति के जीवन में आने वाली समस्याओं का समाधान वैज्ञानिक व वैदिक रुप से किया जा सके।

धन्यवाद!

उपलब्ध पाठ्यक्रम

भारतीय ज्योतिष

कोर्स की अवधि	(4–6 महीने)
कक्षाओं का तरीका	ऑनलाइन/ऑफलाइन/रिकॉर्डिड
कक्षा शिफ्ट	शाम/रिकॉर्डिड सुविधा अनुसार
शुल्क	पाठ्यक्रम एवं शिक्षक के अनुसार
कैरियर अवसर	प्रोफेशनल कन्सलटैंट

एड़वांस के.पी. (कृष्णामूर्ति पद्धति)

कोर्स की अवधि	(4–6 महीने)
कक्षाओं का तरीका	ऑनलाइन/ऑफलाइन/रिकॉर्डिड
कक्षा शिफ्ट	शाम/रिकॉर्डिड सुविधा अनुसार
शुल्क	पाठ्यक्रम एवं शिक्षक के अनुसार
कैरियर अवसर	प्रोफेशनल कन्सलटैंट

वैदिक व एडवांस वास्तु

कोर्स की अवधि	(4–6 महीने)
कक्षाओं का तरीका	ऑनलाइन/ऑफलाइन/रिकॉर्डिड
कक्षा शिफ्ट	शाम/रिकॉर्डिड सुविधा अनुसार
शुल्क	पाठ्यक्रम एवं शिक्षक के अनुसार
कैरियर अवसर	प्रोफेशनल कन्सलटैंट

ज्योतिषीय–वास्तु (एस्ट्रो–वास्तु)

कोर्स की अवधि	(4–6 महीने)
कक्षाओं का तरीका	ऑनलाइन/ऑफलाइन/रिकॉर्डिड
कक्षा शिफ्ट	शाम/रिकॉर्डिड सुविधा अनुसार
शुल्क	पाठ्यक्रम एवं शिक्षक के अनुसार
कैरियर अवसर	प्रोफेशनल कन्सलटैंट

चक्रा हिंलिंग कोर्स

कोर्स की अवधि	(4–6 महीने)
कक्षाओं का तरीका	ऑनलाइन/ऑफलाइन/रिकॉर्डिड
कक्षा शिफ्ट	शाम/रिकॉर्डिड सुविधा अनुसार
शुल्क	पाठ्यक्रम एवं शिक्षक के अनुसार
कैरियर अवसर	प्रोफेशनल कन्सलटैंट

भारतीय ज्योतिष (वैदिक ज्योतिष)

प्राथमिक ज्ञान :– भचक्र का वर्णन, आकाशीय गोला या खगोल, आकाशीय ध्रुव, विषुवत वृत्त, कांतिवृत्त, सम्पात और सायन वर्ष, राशि ज्ञान व राशि स्वामी, ग्रहों की राशियो मे समयावधि, सूर्य की समयावधि, सूर्य समयावधि से महीने और समय का ज्ञान, सरल विधि द्वारा सूर्य की राशि निकालना, राशि चक्र, कालपुरूष कुण्ड़ली, भावों के कारकतत्व, भावों की सामान्य जानकारी, भावों के कारक ग्रह, जन्मपत्रिकाएं और दिशाएं।

ग्रहो की जानकारी:– सौर मण्डल, ग्रह और उनके चिन्ह, ग्रह और उनके गुण, सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, शुक्र, गुरु, शुक्र, शनि, शनि के विशेष पॉइंट, राहू, राहू–केतू कार्मिक कंट्रोल, केतू, प्लूटो, प्लूटो–यूरेनस–नेपचून, नेपचून, हर्षल, ग्रहों के कारकतत्व, ग्रहों से संबंधित कार्य व वस्तुएँ, ग्रहों के आपसी संबंध, ग्रहों मे मित्रता व शत्रुता, ग्रहों की ऊंच–नीच, ग्रहों का दिशा ज्ञान, ग्रहों के कारकों के अनुसार मित्र व शत्र, ग्रहों का वक्रत्व प्रभाव, ग्रहों का आपस मे परिवर्तन, ग्रह व उनकी दृष्टियां।

नक्षत्रों की जानकारी:– नक्षत्रों की पहचान व स्वामी, नक्षत्र चरण, नक्षत्र अनुसार पाया विचार, गुणों–मुखों–नेत्रों के आधार पर नक्षत्रों का वर्गीकरण, नक्षत्रों का स्वाभाव, नक्षत्रों की जाति, नक्षत्रों के विशेषताएँ व मंत्र, नक्षत्रों के कारकतत्व, बारह नक्षत्र व्यापार के लिए अच्छे, चौदह नक्षत्रों में हाथ से गया हुआ धन वापिस न मिलना, जन्म नक्षत्र से तारा ज्ञान।

नक्षत्रों व उपनक्षत्रों की अवधि:– उपनक्षत्रों की अवधि की गणना, यूनिवर्सल टेबल, यूनिवर्सल टेबल के कुछ लघु नियम।

राशियों की जानकारी :– राशियों की विशेषताएँ, राशि तत्व ज्ञान, बारह राशियाँ व उनकी प्रकृति, राशि ज्ञान, राशि अनुसार कारकतत्व, बारह राशियों मे नवग्रह का फल।

बारह भावो का ज्ञान:– बारह भावो का ज्ञान, बारह भावो की विशेषताएँ, नवग्रहों का बारह भावो मे फल।

लग्न निकालना:– संपातिक काल, अयनांश, स्थानीय मध्यम समय, संपात दिवस, भारतीय मानक समय, शीघ्र लग्न निकालना, काल परिचय प्रथम, प्राथमिक ज्ञान व महत्वपूर्ण रूल।

लग्न की विशेषताएँ:– लग्न मे राशियाँ तथा उनके स्वभाव, लग्न के अनुसार शुभ व अशुभ ग्रह।

भारतीय ज्योतिष के अनुसार फलित ज्ञान:– धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष के बारें में जानकारी, फलित नियम–1, फलित नियम–2, योगकारक–अयोगकारक भावात् भावाम् फलम्, नैसर्गिक कारकतत्व व ग्रहीत कारकतत्व, ग्रहों के त्रिकोण भाव में होने के परिणाम, लग्न के लिए विशेष नियम।

दशा फल:– महादशा विवेचन, महादशा ज्ञान, ग्रहों की महादशाओ की समयावधि, अंतर्दशा निकालने की विधि, प्रत्यंतर दशा निकालना, दशा फलित, दशा लग्न, दशा फलित ज्ञान, दशा में जातक की किस्मत/फितरत का रोल, योगकारक ग्रह के संबंध से दशा का चमत्कारिक परिणाम, योगकारक ग्रह कब दशा में सबसे अधिक बुरे परिणाम देता है।

गोचर:– भारतीय ज्योतिष के अनुसार गोचर, गोचर फलादेश के सिद्धान्त, भाव संबंधी गोचर फल, ग्रहों का बारह भावो व जन्मकालीन ग्रह स्थिति से गोचर भ्रमण।

अष्टकवर्ग:– अष्टक वर्ग का निर्माण, ग्रहों के अष्टक वर्ग, ग्रहों के भिन्नाष्टक वर्ग, जन्म सर्वाष्टक कुंड़ली, अष्टक वर्ग का महत्व, सर्वाष्टक वर्ग, अष्टक वर्ग के अन्य उपयोग, ग्रहों के अष्टक वर्ग बिंदु फल।

षोड़श वर्ग:– षोड़श वर्ग फलित ज्ञान, वर्ग चार्ट को कैसे पढ़ें, षोड़श वर्ग के अनुसार दशा फलित ज्ञान, वर्ग महिमायें, वर्ग सारांश, नवांश का महत्व, नवमांश सारणी।

योग विचार:– ज्योतिष मे योगों की जानकारी, पंच महापुरुष योग, धन योग, हाउस लॉर्ड (भावेश) की स्थिती से परिणाम, कुंड़ली में धन अपार संपदा कैसे देखें, भावेश के भावों में

परिणाम, ग्रहों के कारकतत्व से फलादेश/कुंडली फलादेश, चंद्रमा के अनुसार योग, लग्नेश, त्रिकोणेश व सूर्य से बनने वाले योग, राजयोग, राजयोग में त्रिषढ़ाय (3,6,11) भावों का महत्व, कुंडली में युतियों का महत्त्व, दो ग्रहों की युति को भावों से जोड़ना, युति में ग्रह कैसे काम करते है, इम्पोर्टेन्ट आस्पेक्ट और कंजक्शन।

मांगलिक दोषः— मांगलिक विचार, मांगलिक दोष का परिहार, आत्म कुंडली गत परिहार, पर कुंडली गत परिहार।

शनि की ढैय्या व साढ़ेसातीः— शनि की ढैय्या विचार, शनि की ढैय्या किसको और कब आएगी, शनि की साढ़ेसाती।

रत्न विचारः— रत्नों की जानकारी, ज्योतिष में रत्नों के नियम, भारतीय ज्योतिष के अनुसार रत्न विचार, रत्न व उपरत्न, ग्रहों में नवरत्नों का मानसिक व शारीरिक प्रभाव, रत्न और ज्योतिष, रत्नों से संबंधित तथ्य, विभिन्न लग्नों के लिए धारणीय रत्न, रोगों के लिए रत्नों की विशेष बातें, ग्रहों के अनुसार रत्न/मंत्र व दान।

कालसर्प दोषः— कालसर्प दोष का ज्ञान, कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए उपाय, कालसर्प योग से होने वाले जातक को लाभ।

दशा—अंतर्दशा के अनुसार (रेमेडीज) उपायः— सूर्य की अंतर्दशा के उपाय, चंद्रमा की अंतर्दशा के उपाय, मंगल की अंतर्दशा के उपाय, बुध की अंतर्दशा के उपाय, गुरु की अंतर्दशा के उपाय, शुक्र की अंतर्दशा के उपाय, शनि की अंतर्दशा के उपाय, राहू की अंतर्दशा के उपाय, केतू की अंतर्दशा के उपाय, नवग्रहों की दशा—अंतर्दशा के अनुसार उपाय, अनिष्ट नवग्रहों की शांति के उपाय।

अनिष्ट नवग्रहो की शांति के उपायः— सूर्य ग्रह की शांति के उपाय, चंद्रमा ग्रह की शांति के उपाय, मंगल ग्रह की शांति के उपाय, बुध ग्रह की शांति के उपाय, गुरु ग्रह की शांति के उपाय, शुक्र ग्रह की शांति के उपाय, शनि ग्रह की शांति के उपाय, राहू ग्रह की शांति के उपाय, केतू ग्रह की शांति के उपाय।

भारतीय ज्योतिष फलित के मुख्य सूत्रः— भारतीय ज्योतिष फलित के मुख्य नियम, महत्त्वपूर्ण सूत्र, आवश्यक बातें, भावों में ग्रहों की स्थिति अनुसार सूत्र, भारतीय ज्योतिष के अनुसार फलादेश।

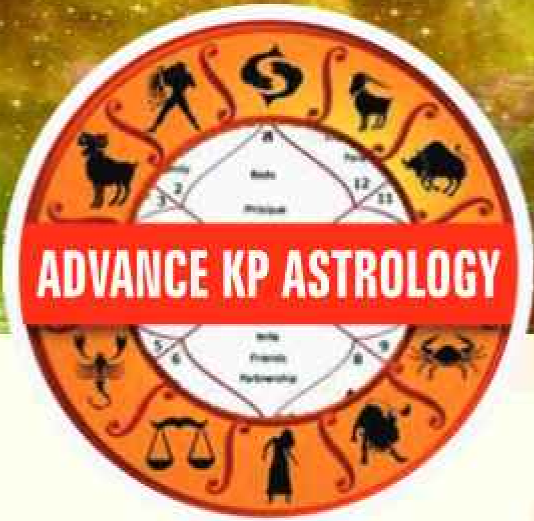

आधुनिक कृष्णामूर्ति पद्धति

1. **ग्रहों की जानकारी :–** ग्रहों और उनके गुण, ग्रहों के कारकतत्व, ग्रहों से संबंधित कार्य एवं वस्तुएं
2. **राशियों की जानकारी :–** राशियों की विशेषताएं, राशि तत्व ज्ञान, राशि दिशा ज्ञान, राशि ज्ञान
3. **भावों की जानकारी :–** के. पी. सिस्टम की भविष्यवाणी की मुख्य बातें, एक से बारह भावों के कारक, एक से बारह भावों का फल, एक से बारह भावों का उपनक्षत्र अनुसार फल
4. **नक्षत्रों की जानकारी :–** नक्षत्रों की पहचान व स्वामी, कृष्णामूर्ति पद्धति में नक्षत्रों का विभाजन, उपनक्षत्र की अवधि की गणना, यूनिवर्सल टेबल, यूनिवर्सल टेबल के लघु नियम
5. **कृष्णामूर्ति पद्धति के महत्वपूर्ण टूल :–** कृष्णामूर्ति पद्धति द्वारा कुंडली निर्माण, ग्रह स्पष्ट कुंडली, निरयन भाव चलित कुंडली, ग्रह कारकतत्व व भाव कारकतत्व, शीघ्र लग्न निकालना
6. **वक्री ग्रह :–** वक्री ग्रहों के बारे में संक्षिप्त जानकारी, वक्री ग्रहों का प्रभाव
7. **रूलिंग प्लेनेट (शासक ग्रह) :–** शासक ग्रहों के विषय में जानें, शासक ग्रहों में कुछ महत्त्वपूर्ण नियम, शासक ग्रहों के अनुसार तिथि निकालना, शासक ग्रहों को चलाना, 2 घंटे के लिए लग्न चलाना, 24 घंटे के लिए लग्न चलाना, चंद्रमा को चलाना, सूर्य को चलाना, कहाँ तक चलना है,
8. **उपनक्षत्र का महत्व :–** उपनक्षत्र का महत्व, उपनक्षत्रों के महत्व का फलित ज्ञान
9. **कृष्णामूर्ति पद्धति सिद्धांत फलादेश :–** अति सरल कृष्णामूर्ति पद्धति, कृष्णामूर्ति पद्धति सिद्धांत फलादेश
10. **प्रश्न कुंडली :–** प्रश्न कुंडली के माध्यम से जल्दी परिणाम प्राप्त करना, प्रश्न कुंडली, प्रश्न कुंडली के द्वारा फलित ज्ञान उदाहरण सहित, प्रश्न कुंडली रूल, प्रश्न कुंडली से संबंधित तथ्य

11. **आयु** :– आयु से संबंधित प्रश्न, किसकी आयु कितनी होगी, मृत्यु का कारण व कैसे होगी, ग्रह के अनुसार मृत्यु के प्रकार, मृत्यु का स्थान भाव, वर्तमान घटना की जानकारी, किस दशा, महादशा में मृत्यु होगी, मृत्यु की दशा कैसे निकालें, मृत्यु किस प्रकार होगी, अप्रत्याशित घटनाओं को देखने के लिए, स्वभाव कैसे देखें, प्रश्न कुंडली के माध्यम से कुछ प्रश्नों के उत्तर

12. **स्वास्थ्य (बीमारी)** :– किस दशा में व क्या बीमारी होगी, शरीर के किस अंग में बीमारी होगी, जन्म कुंडली में 1–12 भावों के अंगो का विवरण, बीमारी क्या लगेगी या कौन सी लगेगी, ग्रहों एवं भावों के अनुसार बीमारी, उपचार के चयन, राशि अनुसार शरीर के अंग, रोग (Disease), वर्तमान में क्या बीमारी होगी, पिता की बीमारी कैसे देखेंगें, मेडिकल एस्ट्रोलॉजी से संबंधी प्रश्न, बीमारी से संबंधित तथ्य

13. **धन स्थिती** :– धन से संबंधी भावों का ज्ञान, किस भाव से धन आएगा, बैंक में अकाउंट खुलवाने का नियम, किस दशा में धन आएगा, क्या आज मुझे धन मिलेगा या नहीं, क्या मैं करोड़पति बनूँगा, खान–पान व बातें कैसे देखें

14. **तीसरे भाव से संबंधित प्रश्न** :– मुलाकात होगी या नहीं, कॉम्पिटिटिव एग्जाम (प्रतियोगी परीक्षा), इंटरव्यू में सफलता, प्लेयिंग कार्ड्स, घर से निकलने के लिए, ट्रेवलिंग वीजा और विदेश में सेटलमेंट, क्या वीजा और पी. आर मिलेगा या नहीं, अपनी मातृभूमि पर वापिस आना, तीसरे भाव से संबंधित अन्य रुल्स

15. **शिक्षा** :– शिक्षा के अनुसार कॉम्बिनेशन रुल्स, विषय का चयन कैसे करें (अधिक प्रभावी विकल्प), शिक्षा के अंतर्गत विषय क्या होगा, शिक्षा का चयन कब करना है। शिक्षा के महत्त्वपूर्ण बिन्दु, विषय का चयन करने के लिए विशेष रूल्स, शिक्षा पूर्ण होगी या नहीं, शिक्षा का स्तर कैसा रहेगा, राशि अनुसार विषय का चयन, प्रोफेशन का कार्य कैसा होगा, वाहन व मकान खरीदना, ग्रहों के अनुसार वाहन का रंग, प्रॉपर्टी खरीदना–बेचना, मेरा किरायेदार घर कब खाली करेगा?, कामकाजी महिलाएं

16. **संतान** :– संतान उत्पत्ति देखना, बच्चे के जन्म से संबंधित गर्भावस्था के कुछ नियम, लिंग का निर्धारण, जुड़वां बच्चें, संतान कब होगी, डिलीवरी टाइम (प्रसव समय), संतान होगी या नहीं, कन्सीविंग कन्फर्म करना, दोनों में बाध्य कौन है, बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया, खेल में हार जीत के लिए

17. **नौकरी** :– नौकरी से संबंधित नियम, नौकरी में परिवर्तन, प्रमोशन के साथ ट्रान्सफर, नौकरी में ट्रान्सफर (पद वही रहेगा, सिर्फ स्थान बदलेगा), ट्रान्सफर को कैसे देखेंगे, ट्रान्सफर कब होगा, नौकरी का क्षेत्र, दशा भुक्ति के अनुसार वर्तमान कार्य, नौकरी कब लगेगी, छठे भाव के अनुसार प्रोफेशन रूल्स, धन वापस प्राप्त करना या ऋण कौन देगा, क्या मुझे किरायेदार मिलेगा?

18. **प्रोफेशन** :– प्रोफेशन को कैसे देखें, प्रोफेशन के कारक ग्रह, प्रोफेशन की श्रेणियां, प्रोफेशन के नियम (स्वयं), नक्षत्रों के अनुसार प्रोफेशन देखना, प्रोफेशन पेरामीटर, प्रोफेशन कब चलेगा, प्रोफेशन में फायदा होगा या नहीं, क्या व्यक्ति वकालत में सफल होगा, प्रोफेशन को कैसे देखेंगें, ग्रहों के अनुसार प्रोफेशन के कॉम्बिनेशन, क्या वह प्रोफेशन बना पाएगा?, व्यवसाय में हानि से मुक्ति कब मिलेगी

19. **विवाह** :– विवाह के महत्त्वपूर्ण रुल्स, तलाक, दूसरी शादी, विवाह कब और कौन सी दशा में होगा, विवाह कब होगा (महिना या वर्ष में), दशा के माध्यम से विवाह के रुल्स को देखना, प्रेम

विवाह, जीवनसाथी का चरित्र, विवाह का माध्यम व दिशा, सगाई, किसकी शादी किससे होगी, पुनर्मिलन होगा या नहीं, यौन जीवन, बिछोह होने का कारण

20. **दुर्घटना :–** दुर्घटना में मृत्यु, प्रश्न कुंडली से दुर्घटना देखना, व्यक्ति दुर्घटना के बाद बचेगा या नहीं, क्या मुझे विरासत में संपत्ति मिल सकेगी?, पैतृक संपति, दाम्पत्य सुख तथा जीवन कैसा होगा, मानसिक परेशानी / ऊपरी बाधा, भावुक होने की परेशानी, खोई हुई वस्तु वापिस मिलेगी या नहीं, चोरी हुई वस्तु मिलेगी या नहीं, चोर का विवरण, चोर का ठिकाना, चोरी की ट्रिक्स

21. **भाग्य भाव :–** ज्योतिष के क्षेत्र में करियर, फोर्चूना पॉइंट (जन्मकुंडली), भावों के अनुसार फोर्चुना पॉइंट को देखना, फोर्चूना प्लेनेट निकालना, यात्रा, क्या मेरी, इच्छापूर्ति होगी

22. **विदेश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर :–** विदेश से संबंधित प्रश्न, विदेश में सेटलमेंट, विदेश यात्रा, विदेश में व्यवसाय, विदेश कब जाएगा, विदेश में नौकरी, विदेश में पार्टनरशिप होगी या नहीं, उससे लाभ होगा या नहीं?, विदेशी लोगों से लाभ व हानि, दशा अनुसार हानि को देखना, प्रश्न कुंडली से जेल योग को कैसे देखें, कोर्ट केस / जेल योग, क्या मुझे जेल जाना पड़ सकता है?, जेल से फरार होना / भाग जाना / जेल से वापसी

23. **दशा को किस प्रकार पढ़ें :–** दशा को कैसे पढ़ें, उदाहरण सहित दशा को कैसे पढ़ें, दशा का फलित किस प्रकार करें, दशा व अंतर्दशा के अनुसार क्या उपाय करें, दशा फल व दशा प्रॉमिस रूल, दशा प्रवेश पद्धति

24. **आस्पेक्ट (दृष्टियाँ) :–** अच्छी और बुरी दृष्टियाँ, कृष्णामूर्ति पद्धति में आस्पेक्ट का प्रयोग, आस्पेक्ट और कंजक्शन, आस्पेक्ट में भावों को इन्वोल्व करना, के. पी. में आस्पेक्ट (दृष्टियाँ) को कैसे देखें

25. **ज्योतिष के फलित सिद्धांत**

26. **के.पी. के कुछ नियम**

27. **के.पी. सिग्नीफिकेटर :–** के.पी. हाउस ग्रुपिंग टेबल्स का उपयोग कैसे करें

28. **बर्थ टाइम रेक्टिफिकेशन :–** कुंडली में जन्म समय का ज्ञान, रुलिंग प्लेनेट (R.P) के माध्यम से जन्म समय सही करना, कुछ नियमों के अनुसार जन्म समय सही नहीं करना चाहिए, जन्म समय सही करने की विधि (कस्पल इंटरलिंक)

वैदिक व एडवांस वास्तु शास्त्र

1. **क्या है वास्तु :–** वास्तु के बारे में, वास्तु एवं वास्तु पुरुष, परमशायिक 81 पद वास्तु समरांगण सूत्रधार के अनुसार

2. **वास्तु शास्त्र में पंचमहाभूत :–** पंचमहाभूत, पंचमहाभूतों के गुण, तत्व मैत्री, पंचतत्व सिद्धातं, पंचतत्व गुणधर्म, पंचतत्व धातुएं, पंचतत्व बैलेंसर, तत्व व इन्द्रियाँ

3. **वास्तु शास्त्र में दिशाओं का महत्त्व :–** वास्तु चक्र (16 दिशा क्षेत्र), दिशाओं की विशेषताएं, भूखण्ड के दिशा क्षेत्र, वास्तु चक्र में पंचतत्व, दिशाओं के 16 क्षेत्र का सम्पूर्ण ज्ञान, कौन–सा स्थान आपके लिए सही रहेगा, इसका चयन कैसे करें, मकान के लिए दिशा का चुनाव, 16 क्षेत्र के गुणधर्म के अनुसार आप प्रोफेशन को अपना सकते हैं, टी–पॉइंट वाला मकान, वास्तु–दिग्दर्शन

4. **कोणों के कटान और विस्तार / ब्रह्म–स्थान :–** कोणों का विस्तार, भूखण्ड की लम्बाई या चौड़ाई का विस्तार, ब्रह्म–स्थान का ज्ञान, भूखण्ड की आकृतियों के फल

5. **वास्तु चक्र में उपस्थित 45 देवी–देवता :–** वास्तु चक्र, एक–पदिय देवी–देवता, मध्यस्त कोणों के 8 द्विपदिय देवी–देवता, 4 मुख्य षष्ठपदिय देवी–देवता, प्रमुख नवपदिय देवता, वास्तु मण्डल के बाह्य (बाहरी) देवगण, रेखा मंडल, पश्चिम से पूर्व की ओर आड़ी रेखाएं, दक्षिण से उत्तर की ओर आड़ी रेखाएं, वास्तु चक्र में देवगण, वास्तु पुरुष के शरीर के अंगो पर देवताओं का वास

6. **नींव स्थापना :–** नींव स्थापना का विधान, नींव स्थापना (गृहारंभ) से पूर्व चयनित भूमि का शल्योद्धार, नींव खुदाई–खात चक्र–गृहारंभ, शिलान्यास (नींव स्थापना), शिला या ईंटों की संख्या, मंजूषा स्थापना विधान, मंजूषा और वास्तु देवता, अन्य ध्यातव्य बिंदु, नींव स्थापना एवं वर्ण विचार, नींव स्थापना एवं देव मंदिर विचार

7. **वास्तु के अनुसार आवासीय भवन में कक्षों का निर्माण :–** आवासीय भवन में कक्षों के निर्माण का विवरण, आज के सन्दर्भ में भवन निर्माण की समीक्षा, दिशाओं की प्रकृति एवं उसके गुणधर्मो का अधिकतम उपयोग, शुभ एवं अशुभ ऊर्जा, खिड़की झरोखा / बरामदा, कुआँ, बोरिंग एवं भूमिगत टंकी, सैप्टिक टैंक, भवन निर्माण में वास्तु की कुछ महत्त्वपूर्ण जानकारी, आठों दिशाओं में भवन के ऊँचा / नीचा होने का फल, कुछ जानने योग्य तथ्य, भवन निर्माण मे वास्तुदोषों का समाधान

8. **गृहप्रवेश का मुहूर्त** :– वास्तु ग्रंथों में गृह प्रवेश, नूतन गृह प्रवेश, नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त, कलश (कुम्भ) चक्र, वामरवि विचार, जीर्ण (द्वन्द) गृहप्रवेश मुहूर्त, गृह प्रवेश की विधि

9. **वास्तु पजून** :– वास्तु कर्म में कर्मकांड कब?, एकाशिति (81) पद वास्तु मंडल, गृह प्रवेश, जीर्णोद्धार, वास्तु देवताओं के निमित्त बलि हेतु सामग्री

10. **वास्तु दोष निवारण के सरल उपाय** :– वास्तु दोष निवारण के 10 सूत्र, भवन के तोड़े–फोड़ से वास्तु दोष एवं निवारण, वास्तु दोष के निवारण के लिए सहज एवं सरल 10 उपाय, उपरोक्त 11 सुत्रीय कार्यक्रम के अतिरिक्त निम्न उपाय भी करें, घर में यदि काई सदस्य दीर्घकाल से बहुत बीमार है, निम्न प्रयोग अपना कर देखें, आवासीय भवन और कारखाना, घर के शांतिपूर्ण वातावरण के लिये, नमक से वास्तुदोष निवारण, टोने टोटका से निजात के उपाय, घर के लिये ऋण कब लें, कब लौटाएँ, कोर्ट केस की फाइलें कहाँ रखें।

11. **16 दिशाओं में घरेलु सामान का परिणाम (आधुनिक वास्तु)** :– प्रार्थना कक्ष का स्थान, हीटर का स्थान, स्टड़ी टेबल का स्थान लेपटॉप / कंप्यूटर का स्थान, रसोई घर का स्थान, इन्वेटर का स्थान, शौचालय का स्थान, बेड़रूम का स्थान, टेलीविज़न का स्थान, स्टोर रूम का स्थान, कूड़ेदान का स्थान, ड्राइंग रूम का स्थान, वाशिंग मशीन का स्थान, सीढ़ियों का स्थान, क्रोकॅरी कैबीनेट का स्थान, एक्वेरियम के लिए उत्तम स्थान, बार के लिए उत्तम स्थान

12. **45 देवी–देवताओं का वर्णन, वास्तु चक्र (शक्ति चक्र)** :– एकपदीय देवताओं का वर्णन, मध्यस्त कोणों के द्विपदीय देवताओं का वर्णन, मध्यस्त के षष्ठपदीय देवताओं का वर्णन, ब्रह्म–स्थान (नवपद देवगण) में ऊर्जा का महत्त्व, नवपद देवगण क्या हैं, ब्रह्म–स्थान, ब्रह्म–स्थान के लाभ, ब्रह्म–स्थान में है, आपके घर का मर्म स्थान, ब्रह्म–स्थान में क्या ना करें, ब्रह्म–स्थान के दोष कैसे दूर करें, ब्रह्म–स्थान दोष का असर–दुष्प्रभाव, शेष का नाम व फल

13. **कहाँ हो आपके घर का द्वार** :– वास्तु चक्र (32 द्वार), 81 पद वास्तु, 81 पद वास्तु में समस्त द्वारों से मिलने वाले विशेष परिणाम, द्वारों के गुण–दोष, वास्तुमण्ड़ल के अनुसार द्वार, रंगों के माध्यम से द्वारों को संतुलित कैसे करें, देवता या द्वार की ऊर्जा को अवरूद्ध (ब्लॉक) कैसे करे, वर्चुअल एंट्री कैसे खाले, उत्तर दिशा में संभावित प्रवेश द्वारों की स्थिति एवं उनके प्रभाव, पूर्व दिशा में संभावित प्रवेश द्वारों की स्थिति एवं उनके प्रभाव, दक्षिण दिशा में संभावित प्रवेश द्वारों की स्थिति एवं उनके प्रभाव, पश्चिम दिशा में संभावित प्रवेश द्वारों की स्थिति एवं उनके प्रभाव

14. **वास्तु के अनुसार क्षेत्रों को संतुलित करना** :– वास्तु चक्र प्रतीक चिन्हों सहित, प्रतीक चिन्हों व रंगो के अनुसार रेमेड़ीज, दिशाओं में वास्तु अनुसार पंच–महाभूतों का संबंध, क्षत्रे को संतुलित करना, दिशा शूल, कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य, ऊर्जा संतुलन, कॉइन एवं स्प्रींग को कैसे इस्तेमाल करें, रसोई घर उपाय, शौचालय उपाय

15. **लागू की गई वास्तु योजनाएं** :– केस स्टड़ी (उदाहरण)

एस्ट्रो वास्तु

1. **ग्रहों के आर्टिकल :–** ग्रहों के देवता, मानवीय संबंध और आर्टिकल, गुण, विशेषताएं और ग्रहों के देवता, ग्रहों के अनुसार पशु, पेड़, पत्थर, धातु व ऊर्जा, ग्रहों व भावों के अनुसार दिशा, 12 राशियाँ और 16 दिशाओं के गुणों का चार्ट, राशि अनुसार एस्ट्रो वास्तु व लाल किताब दिशाएं, मानव शरीर में बारह राशियों का विभाजन, ग्रहों के अनुसार शरीर के अंग, राशियों के अनुसार शरीर के अंग, ग्रहों के अनुसार बीमारी, रसोई के आर्टिकल व शरीर के अंग

2. **ग्रहों की जानकारी :–** सूर्य की विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, बुरे आस्पेक्ट व प्लेसमेंट, चंद्रमा की विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, बुरे आस्पेक्ट व प्लेसमेंट, मंगल की विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, बुरे आस्पेक्ट व प्लेसमेंट, बुध की विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, बुरे आस्पेक्ट व प्लेसमेंट, गुरू की विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, बुरे आस्पेक्ट व प्लेसमेंट, शुक्र की विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, बुरे आस्पेक्ट व प्लेसमेंट, शनि की विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, बुरे आस्पेक्ट व प्लेसमेंट, राहु की विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, बुरे आस्पेक्ट व प्लेसमेंट, केतु की विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, बुरे आस्पेक्ट व प्लेसमेंट, ग्रहों से ग्रहों का उदाहरण (पॉजिटिव व नेगेटिव आस्पेक्ट)

3. **भावों की जानकारी :–** बारह भावों की सामान्य जानकारी, एक से बारह भावों के कारक, विशेषताएं, प्रोफेशन, शिक्षा, बीमारी, शरीर के अंग, मृत्यु का तरीका, शादी

4. **राशियों की जानकारी :–** ग्रहों के देवता, मानवीय संबंध और आर्टिकल, एस्ट्रो वास्तु में राशियाँ व उनकी दिशाएं, मानव शरीर में बारह राशियों का विभाजन, 12 राशियाँ और 16 दिशाओं के गुणों का चार्ट, बारह राशियों की दशा अवधि में डिग्रीयों के साथ ग्रह व नक्षत्रों की स्थिति, ग्रहों का डिग्री के साथ नक्षत्र के क्षेत्र में गोचर, बारह राशियों में डिग्री के साथ ग्रहों की उच्च नीच, कंपाउंड डिग्री कैसे निकालते है

5. **लग्न स्पष्ट एवं निरयन भाव चलित :-** लग्न स्पष्ट, निरयन भाव चलित, निरयन भाव चलित उदाहरण सहित

6. **आस्पेक्ट को कैसे देखते है :-** एस्ट्रो वास्तु में आस्पेक्ट, पॉजिटिव व नेगेटिव आस्पेक्ट, युति–एनर्जी एक्सचेंजर, भावेश के साथ ग्रहों की युति, ग्रह के साथ भाव की युति, उदाहरण सहित आस्पेक्ट

7. **ग्रह से भाव और भावेश पर भाव स्वामी की हिट :-** ग्रह से भाव और भाव स्वामी की हिट, ग्रहों के द्वारा एक से बारह भावों की बातें, भावेश से भावेश हिट, उदाहरण एक्सप्लेनेशन

8. **आस्पेक्ट पर अभ्यास :-** आस्पेक्ट हिट उदाहरण, भाव स्वामी को कैसे देखेंगे, एस्ट्रो वास्तु के माध्यम से उपचार की विधियां, उदाहरण एक्सप्लेनेशन

9. **हिटिंग का आसान तरीका (आस्पेक्ट थ्योरी) :-** हिटिंग को कैसे देखें, ग्रहों के अनुसार वस्तुओं को रखने की संक्षिप्त विधि, राहु और केतु को कैसे पढ़ें, युति के बारे में जाने , अच्छी व बुरी युति, ग्रहों के आर्टिकल, रसोई का सामान

10. **हिट थ्योरी को कैसे बैलेंस करते है :-** बैलेंस कैसे करें, हिट बैलेंसिंग कैसे देखें, राशि अनुसार दिशा चार्ट, हिट बैलेंसिंग में किस प्रकार की गलतियाँ होती है, व्यक्ति की बॉडी पर बैलेंस हिट कैसे करेंगे, ग्रहों के अनुसार शरीर के अंग, मानव शरीर में बारह राशियों का विभाजन, राशियों के अनुसार शरीर के अंग, मेडिकल ट्रीटमेंट, बॉडी पर बैलेंस कैसे करेंगे, प्राकृतिक संतुलन (नेचर बैलेंस), हिटिंग थ्योरी निष्कर्ष

11. **के.पी. एस्ट्रो वास्तु का विश्लेषण :-** प्रिडिक्टीव रूल्स ऑफ के.पी., हिडन स्क्रीप्ट, टेनेन्टीड और अनटेनेन्टीड ग्रह, के.पी. एस्ट्रो वास्तु में कुछ जरूरी रूल, के.पी. एस्ट्रो वास्तु में हर समस्या के मूल कारण, 8वें और 12वें भाव की रेमेडीज क्या है, के. पी. एस्ट्रो वास्तु में खराब भावों की ऊर्जा का उपयोग, किसी व्यक्ति को तत्काल राहत देने के लिए सर्वश्रेष्ठ ज्योतिषीय उपाय

12. **एस्ट्रो वास्तु में के.पी. इंप्लीमेंट कैसे करते है (उदाहरण सहित) :-** एस्ट्रो वास्तु में के.पी. इंप्लीमेंट कैसे करते हैं, ग्रहों की दिशा , कुछ के. पी. कॉम्बिनेशन रुल , के. पी. सिग्नीफिकेटर रुल, 12 राशियाँ और 16 दिशाओं के गुणों का चार्ट, एस्ट्रो वास्तु में अच्छी या बुरी दिशा को कैसे सिलेक्ट करते है, के. पी. एस्ट्रो वास्तु में ऑब्जेक्ट को कैसे फाइंड करते है, राशि अनुसार दिशा चार्ट, ग्रह अधिक महत्त्वपूर्ण है या नक्षत्र, के. पी. एस्ट्रो वास्तु में कुंडली विश्लेषण कैसे करते है

13. **के.पी. एस्ट्रो वास्तु के अनुसार सामान की अच्छी या बुरी दिशा :-** सामान किस दिशा में अच्छा या बुरा होता है , उदाहरण संग्रह , ग्रहों के अनुसार वस्तुओं को रखने की संक्षिप्त विधि , एस्ट्रो वास्तु में अच्छी या बुरी दिशा को कैसे सिलेक्ट करते है, के. पी. एस्ट्रो वास्तु में केस स्टडी का विश्लेषण कैसे करते हैं , केस स्टडी 1 , केस स्टडी 2

14. **45 देवता एनर्जी फिल्ड्स :-** 12 राशियाँ और 16 दिशाओं के गुणों का चार्ट, 45 देवताओं का एनर्जी फिल्ड्स चार्ट , 45 देवताओं को 9 ग्रहों में विभाजित सारणी, 45 देवता एनर्जी फिल्ड्स के अनुसार टॉपिकवाइज रेमेडीज कैसे करें (के.पी. एस्ट्रो वास्तु), धन से संबंधित परेशानी को कैसे

हल करेंगे, शक्ति चक्र में 45 देवताओं के गुण , 45 देवताओं की सारणी , 45 देवताओं की एनर्जी के खान–पान की वस्तुएं

15. **एस्ट्रो वास्तु में जियोपैथी स्ट्रैस :–** जियोपैथी, जियोपैथी स्ट्रैस क्या है, ग्रहों के अनुसार वस्तुओं को रखने की संक्षिप्त विधि, एस्ट्रो वास्तु में अच्छी या बुरी दिशा को कैसे सिलेक्ट करते है, जाने घर में जियोपैथी स्ट्रैस, ग्रहो की दिशा

16. **एस्ट्रो वास्तु में प्रश्न कुंडली :–** प्रश्न कुंडली, प्रश्न कुंडली रूल्स , भाव व भावेश प्रश्न कुंडली के द्वारा किसी समस्या का हल कैसे खोजें, जन्म कुंडली में गोचर पर हिट थ्योरी कैसे काम करती है,

17. **एस्ट्रो वास्तु में अष्टक वर्ग :–** अष्टक वर्ग का निर्माण, सूर्य का भिन्नाष्टक वर्ग,मंगल का भिन्नाष्टक वर्ग, बुध का भिन्नाष्टक वर्ग, गुरू का भिन्नाष्टक वर्ग, शुक्र का भिन्नाष्टक वर्ग, शनि का भिन्नाष्टक वर्ग, जन्म सर्वाष्टक कुंडली, अष्टक वर्ग का महत्व, ग्रहों के अनुसार वस्तुओं को रखने की संक्षिप्त विधि

18. **लग्नों के अनुसार एस्ट्रो वास्तु :–** ग्रहों के अनुसार वस्तुओं को रखने की संक्षिप्त विधि, मेष लग्न, वृषभ लग्न, मिथुन लग्न, कर्क लग्न, सिंह लग्न, कन्या लग्न, तुला लग्न, वृश्चिक लग्न, धनु लग्न, मकर लग्न, कुंभ लग्न, मीन लग्न

19. **एस्ट्रो वास्तु में मेडिकल एस्ट्रोलॉजी :–** मेडिकल एस्ट्रोलॉजी, ग्रह, भाव और राशि, मानव शरीर में बारह राशियों का विभाजन, कौन सा ट्रीटमेंट आपके लिए अच्छा रहता है, कहाँ, कब, कौन सा उपनक्षत्र देगा बीमारी

20. **एस्ट्रो वास्तु में रेमेडीज :–** रेमेडीज, वास्तु डायरेक्शन अनुसार रेमेडीज, ज्योतिष अनुसार रेमेडीज, सभी ग्रहों के कारगर उपाय, कुछ अन्य महत्वपूर्ण उपाय, ग्रहों के लिए गायत्री मंत्र, महादशा व अंर्तदशा अनुसार उपाय,

21. **एस्ट्रो वास्तु के अनुसार नक्शा कैसे बनाते है :–** जन्म कुंडली के द्वारा भवन निर्माण, ग्रहों के अनुसार वस्तुओं को रखने की संक्षिप्त विधि, यदि आपके ग्रह की दिशा में पॉजिटीव आस्पेक्ट हो जाएं, यदि आपके ग्रह की दिशा में नेगेटिव आस्पेक्ट हो जाएं, उदाहरण सहित एस्ट्रो वास्तु हिट

चक्रा हिलिंग

1. **चक्रा विज्ञान की आधारशिला – चक्रा और हमारा जीवन** :– कॉन्सेप्ट – ऊर्जा के माध्यम से जीवन परिवर्तन, चक्रा क्या हैं और इनका जीवन में महत्व, 7 प्रमुख चक्रा और हमारा ऊर्जा शरीर–चक्रों का स्वास्थ्य–भावनाओं–रिश्तों व सफलता पर प्रभाव, जागरूकता व सक्रियता और संतुलन से समग्र सुख, आध्यात्मिक विकास में चक्रों की भूमिका
2. **मानव आभा – अदृश्य शरीर की पहचान – अपने ऊर्जा शरीर को जानें** :– कॉन्सेप्ट – सूक्ष्म शरीर एवं ऊर्जा प्रवाह, मानव आभा (औरा) क्या है, विभिन्न आध्यात्मिक शरीर (कोष), चक्रा क्या होते हैं, शरीर में चक्रों का स्थान, ग्रंथियों व नर्वस सिस्टम से संबंध, पंचतत्व–पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश एवं उनका प्रभाव
3. **निचले चक्रा – जीवन की नींव – मूलाधार चक्र (रूट चक्रा)** :– कॉन्सेप्ट – स्थिरता, सुरक्षा एवं ग्राउंड़िंग, मानसिक, भावनात्मक व शारीरिक पहलू, सकारात्मक प्रभावः सुरक्षा, धन, स्वास्थ्य, नकारात्मक प्रभावः भय, असुरक्षा, अस्थिरता, विशेषताएँ: रंग, क्रिस्टल, सुगंध, आहार, बीज मंत्र, पुष्टि वाक्य
4. **स्वाधिष्ठान चक्रा (सैक्रल चक्रा)** :– कॉन्सेप्ट – भावनाएँ, रचनात्मकता व आनंद, मानसिक, भावनात्मक व शारीरिक पहलू, सकारात्मक प्रभावः रचनात्मकता, संबंध, नकारात्मक प्रभावः अपराध बोध, लत, भावनात्मक असंतुलन, विशेषताएँ: रंग, क्रिस्टल, सुगंध, आहार, बीज मंत्र, पुष्टि वाक्य
5. **शक्ति केंद्र – मणिपुर चक्रा (सोलर प्लैकसिस चक्रा)** :– कॉन्सेप्ट – आत्मविश्वास एवं इच्छाशक्ति, मानसिक, भावनात्मक व शारीरिक पहलू, सकारात्मक प्रभावः नेतृत्व, पाचन, आत्मबल, नकारात्मक प्रभावः क्रोध, नियंत्रण की प्रवृत्ति, विशेषताएँ: रंग, क्रिस्टल, सुगंध, आहार, बीज मंत्र, पुष्टि वाक्य
6. **हृदय चक्रा – मानव और दिव्यता का सेतु – अनाहत चक्र (हार्ट चक्रा)** :– कॉन्सेप्ट – प्रेम, करुणा एवं संतुलन, मानसिक, भावनात्मक व शारीरिक पहलू, सकारात्मक प्रभावः प्रेम, क्षमा, रोग प्रतिरोधक क्षमता, नकारात्मक प्रभावः दुःख, भावनात्मक पीड़ा, विशेषताएँ: रंग, क्रिस्टल, सुगंध, आहार, बीज मंत्र, पुष्टि वाक्य

7. **उच्च चक्रा – अभिव्यक्ति और अंतर्ज्ञान – विशुद्धि चक्रा (थ्रोट चक्रा) :–** कॉन्सेप्ट – संवाद एवं सत्य, मानसिक, भावनात्मक व शारीरिक पहलू, सकारात्मक प्रभाव: स्पष्ट अभिव्यक्ति, नकारात्मक प्रभाव: बोलने का भय, गले की समस्या, विशेषताएँ: रंग, क्रिस्टल, सुगंध, आहार, बीज मंत्र, पुष्टि वाक्य

8. **आज्ञा चक्रा (थर्ड आई चक्रा) :–** कॉन्सेप्ट – अंतर्ज्ञान और विवेक, मानसिक, भावनात्मक व शारीरिक पहलू, सकारात्मक प्रभाव: निर्णय क्षमता, अंतर्दृष्टि, नकारात्मक प्रभाव: भ्रम, अधिक सोच, विशेषताएँ: रंग, क्रिस्टल, सुगंध, आहार, बीज मंत्र, पुष्टि वाक्य

9. **सहस्त्रार चक्रा – दिव्य चेतना – सहस्त्रार चक्रा (क्राउन चक्रा)**

   कॉन्सेप्ट – परम चेतना से जुड़ाव, मानसिक, भावनात्मक व शारीरिक पहलू, सकारात्मक प्रभाव: शांति, आत्मज्ञान, नकारात्मक प्रभाव: आध्यात्मिक विच्छेद, विशेषताएँ: रंग, क्रिस्टल, सुगंध, आहार, बीज मंत्र, पुष्टि वाक्य

10. **चक्रों का स्वभाव – चक्रों की प्रकृति**

    कॉन्सेप्ट – पुरुष एवं स्त्री ऊर्जा संतुलन, पुरुष चक्र: शक्ति, तर्क, स्थिरता, स्त्री चक्रा: भावनाएँ, लचीलापन, प्रेम, ऊर्जा का समन्वय व पूर्णता

11. **चक्रा और स्वास्थ्य – चक्रा संयोजन एवं रोग**

    कॉन्सेप्ट – समस्याओं का मूल कारण, मानसिक समस्याएँ, भावनात्मक असंतुलन, शारीरिक रोग

12. **चक्रा परीक्षण – स्वयं और दूसरों के चक्रों की जाँच**

    कॉन्सेप्ट – ऊर्जा विश्लेषण, स्वयं का चक्रा परीक्षण, दूसरों का चक्र परीक्षण, डिस्टेंस चक्रा टेस्ट, रिपोर्ट व उसकी व्याख्या

13. **आत्म–हीलिंग अभ्यास – सक्रियता, हीलिंग और संतुलन :–** कॉन्सेप्ट – स्वयं का उपचार, विचारों का संरेखण, चक्रा ध्यान, विभिन्न हीलिंग पद्धतियाँ, उचित थैरेपी का चयन

14. **चक्रा ध्यान – चक्रा मेडिटेशन :–** कॉन्सेप्ट – ऊर्जा जागरण, चक्रा मुद्राएँ, बीज मंत्र, तैयारी, ध्यान प्रक्रिया

15. **चक्रों की गहन समझ – कर्म और चक्रा :–** कॉन्सेप्ट – कारण–कार्य सिद्धांत, चक्रों में संचित कर्म, पूर्व कर्मों का प्रभाव, "हिल इट और डील इट" सिद्धांत

16. **आधुनिक हीलिंग थैरेपी – हीलिंग पद्धतियाँ :–** कॉन्सेप्ट – बहुआयामी उपचार, ऊर्जा हीलिंग (रैकी, प्राणिक), एज रिग्रेशन, सबकॉन्शस माइंड एम्पावरमेंट, पास्ट लाइफ रिग्रेशन

17. **आध्यात्मिक विकास – चक्रा और आध्यात्मिक जागरण :–** कॉन्सेप्ट – आत्मोन्नति, कुंडलिनी ऊर्जा, मोक्ष की ओर यात्रा

18. **रूपांतरण और पुनर्जीवन – चक्रा अंतर्दृष्टि :–** कॉन्सेप्ट – भाग्य निर्माण, कर्म और स्वतंत्र इच्छा, लॉ ऑफ अट्रैक्शन, वर्तमान में भाग्य परिवर्तन

19. **प्रकाशित जीवन – जीवन पथ का प्रकाशन :–** कॉन्सेप्ट – स्वयं व दूसरों का कल्याण, गहरे अवरोधों की पहचान, पास्ट लाइफ थेरेपी से समाधान, शांति, आनंद और सुखमय जीवन

उपाय विचार

- ✶ उपाय विचार
- ✶ ग्रहो के अनुसार उपाय
- ✶ विषयो के अनुसार उपाय
- ✶ टोटको के द्वारा
- ✶ कालसर्प दोष
- ✶ मांगलिक विचार
- ✶ रुद्राक्ष प्रकरण
- ✶ रत्न –उपरत्न
- ✶ मंत्र रहस्य
- ✶ स्त्रोतों के द्वारा
- ✶ पूजनीय दुर्लभ वस्तुओ के द्वारा
- ✶ व्रत के नियम विधान व महत्व
- ✶ नवग्रहों की स्नान औषधि

रत्न विज्ञान

- ✶ रत्नों की उत्पति कब और कैसे?
- ✶ रत्न व उपरत्न
- ✶ नवग्रहों के रत्न–उपरत्न
- ✶ मानव पर ग्रहण एवं रत्नों का प्रभाव
- ✶ कुछ दैवीय शक्ति से युक्त रत्न
- ✶ कौन सा रत्न पहने और कब
- ✶ सिद्धांत व लग्न के अनुसार रत्न चयन
- ✶ रत्न धारण करने की विधि और रत्नों की आय

INSTITUTE OF ASTROLOGY & GEMOLOGY

IIAG

IIAG ज्योतिष संस्थान®

हर घर में होगा ज्योतिष व वास्तु का ज्ञान, विश्वसनीयता का दूसरा नाम IIAG ज्योतिष संस्थान।।

(AN INFINITE WORLD OF ASTROLOGY AND VASTU)

Office : 1887, G.F., Sector-8, 7/8 Dividing Road, Faridabad
Email : customercare@iiag.co.in | Web : www.iiag.co.in
Contact : + 91 9873 850 800, 8800 850 853